BRABU, Muzaffarpur.

Degree -1st. Subsidiary

संस्कृति तथा सभ्यता (Culture and Civilization)

सभ्यता का अर्थ —

सभ्यता का सम्बन्ध ऐसे सभी भौतिक पदार्थों से है जो हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति के साधन होते हैं।

मैकाइवर (MacIver) के अनुसार, "मनुष्य ने अपने जीवन की विभिन्न दशाओं को नियन्त्रित करने के प्रयत्न में जिन सम्पूर्ण वस्तुओं की रचना की है, उन्हीं के संगठन अथवा विन्यास को हम सभ्यता कहते हैं।"

कान्त (Kandt) के अनुसार, "सभ्यता मनुष्य के बाह्य आचरण की वह व्यवस्था है, जिसे अनेक भौतिक पदार्थों के माध्यम से एक मूर्त रूप प्राप्त होता है।

सभ्यता तथा संस्कृति में अन्तर (Distinction between Culture and Civilization)

(1) सभ्यता की माप सम्भव है, संस्कृति की नहीं—
सभ्यता के विभिन्न तत्वों को कुशलता के आधार पर मापा जा सकता है। उदाहरण के लिए, कोई भी व्यक्ति सरलतापूर्वक यह निर्णय दे सकता है कि वायुयान मोटर से अधिक तेज चलता है और इसलिए यह उससे अधिक अच्छा है। संस्कृति के विषय में इस प्रकार का कोई निर्णय नहीं दिया जा सकता।

(2) सभ्यता का क्रमिक विकास होता है, संस्कृति के विकास का कोई क्रम नहीं है—
सभ्यता सदैव ही एक निश्चित दिशा में आगे की ओर बढ़ती है, जैसे— बैलगाड़ी के बाद रेल और रेलों के बाद वायुयान और इसके उपरान्त चन्द्रमा तक पहुँचने के लिए अन्तरिक्ष यानों का विकास हुआ। संस्कृति के विकास की कोई निश्चित दिशा नहीं होती।

(3) सभ्यता को सिखना सरल है, संस्कृति को नहीं—
सभ्यता को सिखना तनिक भी कठिन नहीं होता। एक अशिक्षित व्यक्ति भी धन प्राप्त करके मोटर सूट का उपयोग करना सीख सकता है, वायुयान में यात्रा करके वह अत्यधिक सभ्य होने का दावा कर सकता है, लेकिन संस्कृति को बहुत धीरे-धीरे और प्रयत्न करने पर ही सीखा जा सकता है। इसको धन के आधार पर खरीदा नहीं जा सकता।

(4) सभ्यता साधन है और संस्कृति साध्य है—
साध्य का अर्थ लक्ष्य, और लक्ष्य तक

पहुँचने का कार्य सभ्यता के द्वारा किया जाता है।

(3) सभ्यता तेजी से फैलती है लेकिन संस्कृति का क्षेत्र सीमित है—

सभ्यता को सरलता और शीघ्रता से फैलाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, मोटर इंजन और वायुयान का निर्माण न कर पाने पर भी दूसरे देशों से इन वस्तुओं को खरीदकर कुछ देश अपनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। दूसरी ओर, संस्कृति का क्षेत्र सीमित होता है, इसलिए उसे दूसरे समाज में फैला देना सरल कार्य नहीं होता। उदाहरण के लिए, भारत शताब्दियों तक मुसलमानों तथा अंग्रेजों की अधीनता में रहा, फिर भी यहाँ इस्लामी अथवा पश्चिमी संस्कृति का पूर्णतया स्थापना नहीं की जा सकी।